JOSH

A quarterly magazine by Swastika Investmart Ltd.

ISSUE 10 / APRIL 25

The Journey Within

The Struggles, The Strength, The Success

EDITORIAL

स्वागत है आप सभी का JOSH के 10वें संस्करण में! यह विशेष संस्करण उन साथियों को समर्पित है, जिन्होंने न सिर्फ़ अपनी तक़दीर बदली, बल्कि स्वस्तिका की कहानी को भी नए आयाम दिए—वे लोग जिन्होंने संघर्ष किया, अपने लिए नए रास्ते बनाए और अपनी मेहनत से ऊंचाइयों तक पहुंचे।

स्वस्तिका में सफलता सिर्फ़ designation से नहीं, बल्कि सफर से मापी जाती है। इस बार आप पढ़ेंगे उन साथियों की प्रेरणादायक कहानियाँ, जिन्होंने रिसेप्शनिस्ट या हाउसकीपिंग स्टाफ़ के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी, लेकिन आज एक्जीक्यूटिव, सीनियर एक्जीक्यूटिव, मैनेजर और HRBP जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभा रहे हैं। कुछ ऐसे साथी भी हैं, जिन्होंने कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना किया, लेकिन अपने करियर को फिर से नई उड़ान दी।

ये कहानियाँ सिर्फ़ तरक्की की नहीं, बल्कि अटूट हौसले की मिसाल हैं। ये दिखाती हैं कि आगे बढ़ना केवल ऊँचाई तक पहुँचने का नाम नहीं, बल्कि खुद को और बेहतर बनाने की प्रक्रिया है। जब आप इन कहानियों को पढ़ेंगे, तो आपको भी एहसास होगा कि सच्ची मेहनत, समर्पण और जुनून से कुछ भी संभव है।

To every "Changemaker" at Swastika— यह संस्करण आप सभी को समर्पित है!

Sagar Pandey

Head-Human Relations

जज़्बे और जुनून की कहानियाँ

2008 में मैंने स्वस्तिका में एक रिसेप्शनिस्ट के रूप में अपना सफर शुरू किया। रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करते हुए, मेरा पूरा ध्यान अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाने और अपने कर्तव्यों को बेहतरीन तरीके से पूरा करने पर था।

लेकिन मेरा यह सफर आसान नहीं था। स्वस्तिका जॉइन करने से एक साल पहले, 2007 में, मेरे बेटे को एक गंभीर बीमारी का पता चला। यह दौर मेरे लिए बेहद कठिन था, लेकिन मैंने अपने बेटे के इलाज को अपनी प्राथमिकता बनाया। 2007 से 2009 के बीच, मैंने अपनी व्यक्तिगत चुनौतियों के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और अपने बेटे को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए इंदौर शिफ्ट होने का फैसला किया।

इस दौरान, मैंने न सिर्फ अपनी निजी ज़िंदगी को संतुलित किया बल्कि अपने काम पर भी पूरी लगन और समर्पण के साथ ध्यान दिया।

छह साल तक रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने के बाद, मेरे काम से इम्प्रेस होकर मैनेजमेंट ने मुझे एडमिन डिपार्टमेंट में प्रमोट किया और 2014 में मेरी शिफ्टिंग कमोडिटी एडमिन डिपार्टमेंट में एग्जीक्यूटिव (टेली कॉलर) के रूप में हुई। यहाँ मैंने नए सिस्टम्स और प्रोसेसेस को सीखा और आत्मविश्वास के साथ नई चुनौतियों का सामना किया। अगले चार से पांच सालों तक मैंने खुद को नई ज़िम्मेदारियों के लिए तैयार किया।

आज, मैं स्वस्तिका के एडमिन डिपार्टमेंट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हूं, जहां मैंने सर्विलांस, मार्जिन मैनेजमेंट, अलोकेशन, रिस्क, फ्रॉड मैनेजमेंट, ऑडिट्स और कंप्लायंस जैसी कई ज़िम्मेदारियों को सफलतापूर्वक संभाला है। बिना किसी बाहरी मार्गदर्शन के, मैंने अपने सीखने की ललक और मेरे सीनियर्स के सपोर्ट से नई स्किल्स हासिल कीं और हर चुनौती को एक नए अवसर में बदला।

मेरा मानना है कि संघर्ष, मेहनत और समर्पण से कोई भी इंसान किसी भी कठिनाई को पार कर सकता है और सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

Shruti Shukla
Assistant Manager, Admin

जून 2019 में मैंने स्वस्तिका में एक रिसेप्शनिस्ट के रूप में जॉइन किया। मेरा काम कॉल्स ट्रांसफर करना, वॉक-इन क्लाइंट्स को अटेंड करना, विज़िटर रजिस्टर मेंटेन करना और डिस्पैच का काम संभालना था। इन सभी कामों के साथ ही मेरी रुचि अन्य कामों में भी बनी रहती थी।

रिसेप्शनिस्ट के काम के दौरान मैंने HR operations में रुचि लेना शुरू किया। अगले चार महीनों के भीतर, मुझे HR Executive की भूमिका मिली। यहाँ मैंने अटेंडेंस मेंटेनेंस, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और 20+ branches के ग्रेवियंस हैंडल करना, एम्प्लॉई डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, प्रशासनिक काम और ब्रांच इंफ्रा से जुड़े कामों की जिम्मेदारी संभाली।

2021 तक, मैंने अपने वर्टिकल के HR प्रोसेस को पूरी तरह से संभाल लिया। इसमें टैलेंट एक्विजिशन, परफॉर्मेंस मैनेजमेंट और एम्प्लॉई एंगेजमेंट शामिल थे। HR विभाग के कामों के साथ-साथ मुझे म्यूचुअल फंड्स के बिजनेस में भी रुचि आने लगी और समय के साथ मैंने इसमें भी अपनी जगह बना ली। म्यूचुअल फंड्स की रिडेम्पशन, क्लाइंट और सब-ब्रोकर से समन्वय, और मासिक म्यूचुअल फंड्स स्टेटमेंट मेंटेन करने जैसे कामों को भी एक्सप्लोर किया।

दिसंबर 2024 में मुझे बड़ी सफलता मिली जब मैनेजमेंट ने मुझे Growth वर्टिकल में Human Resource Business Partner (HRBP) का रोल ऑफर किया। आज, एक HRBP के रूप में मेरा मुख्य काम talent acquisition, talent management, cultural building, stakeholder management और HR analytics है।

मेरा सभी टीम मेंबर्स के लिए यही संदेश है कि कभी भी अपने पोटेंशियल को कम मत समझो और हमेशा आगे बढ़ने की इच्छा को जीवित रखो। अगर आपके इरादे मजबूत हैं और सफलता पाने का जुनून है, तो कोई भी आपको सफल होने से रोक नहीं सकता।

Aishwarya Pachori
Human Resource Business Partner
Human Relations

मेरा सफर: हिम्मत, हौसला और जीत की कहानी

मई 2023 का एक दिन था, जब ऑफिस में काम करते वक्त अचानक मुझे घुटन महसूस होने लगी। धीरे-धीरे यह असहनीय होती गई, और मैंने तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेने का फैसला किया। कुछ दिनों तक अलग-अलग डॉक्टरों से सलाह लेने और कई टेस्ट कराने के बाद मुझे एक ऐसी सच्चाई का सामना करना पड़ा, जो मेरी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई। डॉक्टर ने मुझे 4th स्टेज का कैंसर डायग्नोज़ किया।

उस वक्त ऐसा लगा जैसे मेरी दुनिया ही रुक गई हो। मेरे मन में कई सवाल उठने लगे—मेरी फैमिली, मेरा करियर, मेरी जिंदगी। हर तरफ़ सिर्फ़ अनिश्चितता थी, लेकिन एक चीज़ जो मैंने तय कर ली थी, मैं इस बीमारी से हार नहीं मानूंगी!

सपोर्ट सिस्टम जिसने मुझे हिम्मत दी

मेरे इलाज के दौरान मेरे मैनेजर और टीम मेंबर्स का सपोर्ट मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। मैंने काम जारी रखने का फैसला किया, और मेरी डेडिकेशन को देखते हुए मैनेजमेंट ने मुझे वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी। मुझे मरीज़ों की तरह सिर्फ़ बिस्तर पर नहीं रहना था, मुझे जीना था, लड़ना था!

जब भी मैं ऑफिस को मिस करती थी, अपने सहकर्मियों को लंच के लिए घर बुला लेती थी। ये छोटी-छोटी चीज़ें मुझे मानसिक रूप से मज़बूत बनाती गईं। यह साफ था कि कैंसर सिर्फ़ एक शारीरिक लड़ाई नहीं, बल्कि एक मानसिक लड़ाई भी है।

मेरी प्रेरणा: काम और ज़िंदगी के प्रति जुनून

मुझे अपने काम से बेइंतहा प्यार है, और शायद यही वजह थी कि मैंने अपनी बीमारी को अपने सपनों के बीच नहीं आने दिया। कीमोथेरेपी के तुरंत बाद भी मैं अस्पताल से सीधे ऑफिस चली जाती थी! यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन मेरे लिए यह मेरी थेरेपी थी। काम ने मुझे कैंसर के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं दिया।

इस सफर ने ज़िंदगी को देखने का मेरा नज़रिया पूरी तरह बदल दिया। पहले मैं अपनी फैमिली, करियर और ज़िम्मेदारियों को सबसे ऊपर रखती थी, लेकिन अब मेरी हेल्थ मेरी पहली प्राथमिकता है। अगर आप खुद स्वस्थ और खुश हैं, तभी आप अपने परिवार और करियर का सही तरीके से ध्यान रख सकते हैं।

Alka Arya

Assistant Vice President
Sales & Marketing

मेरा संदेश: लड़ो, मज़बूत बनो और सीखते रहो

अगर कोई भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहा है, तो ये कुछ मुख्य बातें हैं जो मैंने अपनी यात्रा से सीखी हैं:

- **डाइट मायने रखती है**: आप क्या खाते हैं, किस समय खाते हैं, और कितने अनुशासन से खाते हैं, यह आपकी जिंदगी को परिभाषित करता है। एक सही डाइट किसी भी गंभीर बीमारी को ठीक कर सकती है।
- **जीवनशैली में बदलाव**: मेरे इलाज के दौरान मैंने योग को अपनी ज़िंदगी का एक हिस्सा बना लिया। अब एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब मैं योगा मिस करूं। यह मुझे सिर्फ़ शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है।
- **सकारात्मकता से घिरें रहें**: जब आप किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे होते हैं, तो आपके आसपास का माहौल सबसे ज्यादा मायने रखता है। नकारात्मक लोग सिर्फ़ तनाव बढ़ाते हैं, इसलिए सिर्फ उन्हीं लोगों के साथ रहें जिनके साथ आपको सच्ची खुशी मिले।

डर से मत डरो, डर के आगे बढ़ो, क्योंकि डर के आगे जीत है!
अगर मैं चौथी स्टेज के कैंसर को हराकर अपनी ज़िंदगी फिर से सामान्य तरीके से जी सकती हूं, तो आप भी ज़िंदगी की हर समस्या का डटकर सामना कर सकते हैं!

खुद पर विश्वास रखो!

> **डर से मत डरो, डर के आगे बढ़ो, क्योंकि डर के आगे जीत है!**

2023 में मैंने स्वस्तिका जॉइन किया as an ऑफिस बॉय। मेरा डेली का काम ऑफिस की सफाई मेंटेन करना, चाय/कॉफी सर्व करना, आदि था। मेरे काम के दौरान ही मैं कभी-कभी सोचता था कि यह सब मैं क्या कर रहा हूँ? यह मेरी पोटेंशियल के अनुसार नहीं है, क्या मेरा करियर इसी तरह आगे जाएगा?

लेकिन मैंने अपना डेडिकेशन कभी कम नहीं होने दिया। जो भी काम मिला, मैंने पूरी ईमानदारी से किया। मेरी यही मेहनत और जुनून मैनेजमेंट की नज़र में आ गया। उन्होंने मुझे DP डिपार्टमेंट में जॉइन करने का ऑफर दिया और मैंने तुरंत हाँ कर दी। उसके कुछ समय बाद ही मैनेजमेंट ने मेरा इंटरव्यू लिया और 5 महीने बाद मुझे DP डिपार्टमेंट में शिफ्ट कर दिया गया।

वहाँ मैंने अकाउंट क्लोज़िंग, रिकॉर्ड कीपिंग जैसे काम सीखने शुरू किए। धीरे-धीरे मैंने अपनी क्षमताओं के हिसाब से काम किया और नई ज़िम्मेदारियाँ लेने लगा। आज मैं डिपॉजिटरी डिपार्टमेंट में एक्ज़ीक्यूटिव के रूप में काम कर रहा हूँ। मेरा काम शेयर ट्रांसफर, इवनिंग पे-इन/पे-आउट इशू रेज़ोल्यूशन, अकाउंट क्लोज़िंग, पे-इन पे-आउट फेल्योर हैंडल करना, प्लेज पंचिंग और वॉक-इन क्लाइंट्स को अटेंड करना है।

मैं बी.कॉम भी कर रहा हूँ, और ऑफिस के बिज़ी शेड्यूल के बीच किसी तरह मैनेज कर लेता हूँ। साथ ही मैं NISM सर्टिफिकेशन के लिए भी तैयारी कर रहा हूँ, ताकि मैं इस डोमेन में और ग्रो कर सकूँ। सिर्फ इतना ही नहीं, मैं Java और Python भी सीख रहा हूँ ताकि अपने स्किल्स को और बेहतर बना सकूँ।

मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं और आगे बढ़ना चाहता हूँ, एक सीनियर और रिस्पेक्टेबल पोजीशन तक पहुँचना चाहता हूँ। मेरा मानना है कि अगर मेहनत और डेडिकेशन हो, तो कोई भी इंसान अपनी लाइफ में कुछ भी अचीव कर सकता है। मेरा सभी को यही संदेश है कि सीखना कभी बंद मत करो, क्योंकि नए स्किल्स ही आपको आगे ले जाते हैं!

Sunil Dodiyar
Executive, DP

जुलाई 2010 में, मैंने स्वस्तिका के डिस्पैच डिपार्टमेंट से अपना सफर शुरू किया। छोटी शुरुआत, बड़े सपने! पूरे 4 साल तक मैंने डिस्पैच के हर कार्य को पूरी ईमानदारी से किया, जैसे फाइल्स कूरियर करना, पार्सल ट्रैक करना आदि।

2014 में, मुझे रिसेप्शनिस्ट के रूप में प्रमोट किया गया। रिसेप्शन सिर्फ़ एक डेस्क या फ़ोन उठाने का काम नहीं था, बल्कि स्वस्तिका का फ्रंट फेस या पहले इंप्रेशन का हिस्सा बनना था। अपनी प्रोफेशनलिज़्म और विनम्रता से मैंने अपनी पहचान बनाई और स्वस्तिका की एक प्रिय सदस्य बन गई। मेरी लगन और डेडिकेशन के कारण मुझे मैनेजमेंट की ओर से कई अवॉर्ड्स और रिकॉग्निशन भी मिले, जो मेरी मेहनत का सबसे बड़ा सबूत थे।

लेकिन मैं रुकने वालों में से नहीं थी! 2020 में, मैंने एक नए चैप्टर की शुरुआत की और डिलीवरी डिपार्टमेंट जॉइन किया। वहाँ मैंने डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ डिविडेंड और पे-इन जैसे काम सीखे। आज मैं डिलीवरी डिपार्टमेंट में सीनियर एक्जीक्यूटिव के रूप में पे-इन, रीप्लेज, रिलीज़ और आफ्टर-मार्केट वर्क्स जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को संभाल रही हूँ।

मेरी डेडिकेशन और नए चैलेंजेस को अपनाने की सोच ने मुझे स्वस्तिका का एक मूल्यवान एसेट बना दिया। अगर हौसला बुलंद हो और सीखने की चाह हो, तो कोई भी अपनी मंज़िल तक पहुँच सकता है!

Jyoti Lashkarkar
Senior Executive, Delivery

2019 में मैंने स्वस्तिका में एक ऑफिस बॉय के रूप में जॉइन किया। मेरा रोज़ का काम चाय-कॉफी सर्व करना, ऑफिस की सफ़ाई मेंटेन करना और छोटी-मोटी असिस्टेंट टास्क्स को पूरा करना था। लेकिन मेरी सोच इन सबसे आगे थी। जब मैंने आईटी टीम को काम करते देखा, तो मेरा इंटरेस्ट हार्डवेयर और सिस्टम ऑपरेशंस में बढ़ने लगा। मेरी जिज्ञासा ने मुझे बिना किसी फॉर्मल ट्रेनिंग के सिर्फ़ देखकर सीखने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे, जब भी कोई सिस्टम इश्यू आता या कोई छोटा-मोटा आईटी का काम होता, मैं voluntarily आईटी टीम की मदद करने लगता।

मेरी यह लगन और समर्पण जल्द ही मैनेजमेंट की नज़र में आ गया। अपनी डेली ज़िम्मेदारियों से आगे बढ़कर dedication से काम करने के कारण मुझे "एम्प्लॉयी ऑफ़ द मंथ" अवार्ड भी मिला। मैनेजमेंट ने मेरे टैलेंट को पहचाना और मुझे आईटी डिपार्टमेंट में काम करने का अवसर दिया। मैंने इस अवसर को दोनों हाथों से थामा और सिस्टम रिपेयरिंग, ट्रबलशूटिंग, वाई-फाई नेटवर्किंग और सिस्टम इंटीग्रेशन जैसी नई स्किल्स सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ी।
आज, मैं आईटी डिपार्टमेंट में एक एक्जीक्यूटिव के रूप में काम कर रहा हूँ। मेरी भूमिका सिर्फ़ आईटी ऑपरेशंस तक सीमित नहीं है, बल्कि मैं रिसर्च टीम के लाइव सेशंस, यूट्यूब लाइव स्ट्रीम्स और टाउन हॉल मीटिंग्स भी संभालता हूँ।

मेरे घर की ज़िम्मेदारियों के चलते मुझे अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और घर खर्च में हाथ बंटाना पड़ा। लेकिन मेरा सीखने का जुनून, आगे बढ़ने की चाहत, स्वस्तिका टीम का समर्थन और प्रोत्साहन मुझे यहाँ तक लेकर आया है। मेरा यही मानना है कि अगर इंसान मेहनत, लगन और सच्ची कोशिश करे, तो अपनी सोच से भी कहीं आगे बढ़ सकता है और सफलता हासिल कर सकता है।

Deepak Malviya
Executive, IT

BUSINESS UPDATES

Investment Banking

Q4 FY 2025 Updates

Swastika's Merchant Banking Team had achieved new milestones in Q4 FY 2025. Following are the details regarding the deals that were completed /signed in the for the quarter:

IPO

- Filed: 3
  - **Multiplier AI Limited**
  - **Badri Cotsyn Limited**
- Listed: 1
  - **LK Mehta Polymers Limited**
- In DRHP stage: 12
- New Mandate Signed: 3

VALUATION

- **15+ Enterprise valuation reports done in this quarter**

TECH UPDATES

Order Execution From WhatsApp

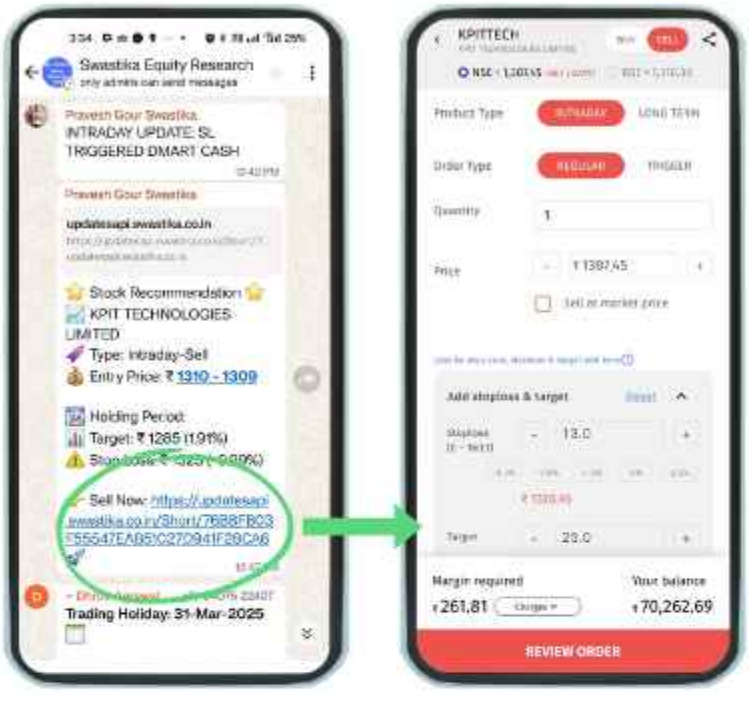

Order Slicing

Badi quantity ke orders in a single tap

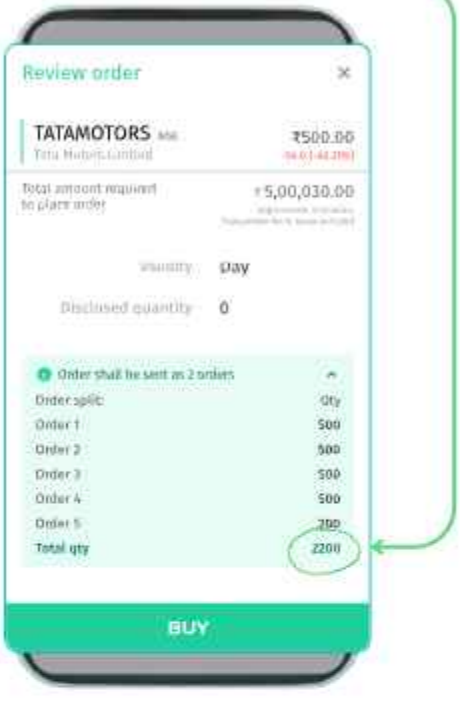

Tick-by-Tick Fast & Accurate Charts

Try Another Recommendation

Rally aur girawat par milengey alerts!

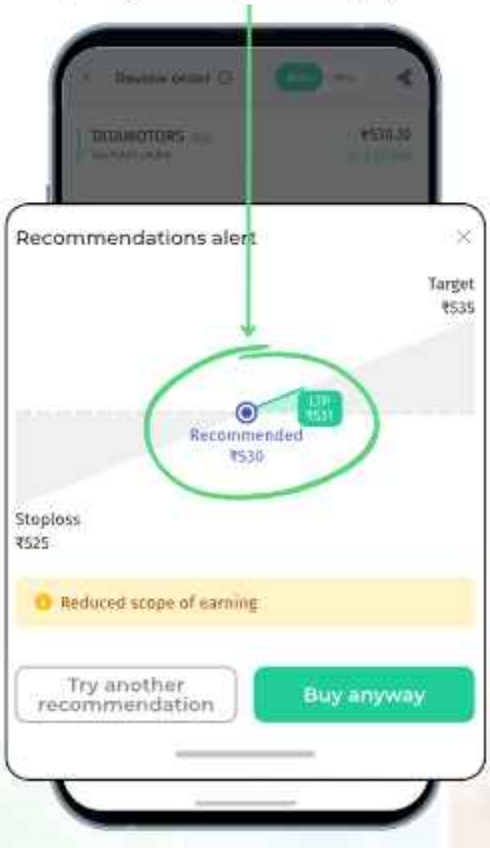

MANN KI BAAT

As I sit down to pen my thoughts for this edition of our magazine, I find myself reflecting on the incredible journey I've had with Swastika over the past 3.6 years. Being a part of the core HR team, I've had the privilege of witnessing the organization's growth, the challenges we've overcome, the resilience of our people, and the unwavering commitment to excellence that defines us.

HR is not merely about policies and processes—it is about people and the invisible threads that bind us together. When I joined Swastika as a Senior Executive, I never imagined how transformative this journey would be. Within just six months, I was promoted to Assistant Manager - Recruitment. As I recently took on the role of HR Business Partner, another milestone followed—I was entrusted with the position of Recruitment Lead & HRBP. These transitions are more than just promotions; they are proof that at Swastika, every individual is empowered to explore their potential, embrace change, and evolve at every step.

जैसा कि कहा जाता है, "संघर्ष ही जीवन है, और जो अपने पथ पर अडिग रहते हैं, उनके लिए कोई भी मंज़िल असंभव नहीं होती।"

After 3.6 years, when I look at all of us today, I truly feel that we are the superhumans of Swastika. The fact that we are here, reading this 'Man Ki Baat,' is proof that we have navigated countless ups and downs, standing strong with our hard work and patience to reach this moment.

As we step into another quarter of opportunities, let's remind ourselves—the best is not behind us, nor ahead of us. It is within us, waiting to unfold. Moving forward, my message to each one of you is this—Be bold in your vision, humble in your growth, and fearless in your pursuit of excellence.

Together, we rise.

Sonali.

Sonali Sengar

Manager-Recruitment

SPOT BONUS AWARDEES: Q4

GAME CHANGER

Chandra Prakash Mishra
Assistant Manager,
Mutual Fund

DEDICATION

Pratibha Sharma
Manager, MIS

DEDICATION

Bhojrao Khandwe
Assistant Manager, IT

PROMOTIONS

Your growth is our growth

Sonali Sengar
Manager,
Recruitment

Ankit Laddha
Manager,
MTF

EVENTS AT A *GLANCE*

Opening of Muscular Dystrophy Care Centre

ET Now awarded Swastika for Excellence in Merchant Banking (SME IPO)

EVENTS AT A *GLANCE*

Swastika Premiere League 2025

Winner: Team Rockstar

Runner-up: Team Dangal

EVENTS AT A *GLANCE*

Homeopathic Health Check-up Camp

Women's Day Celebration

CREATIVE CORNER

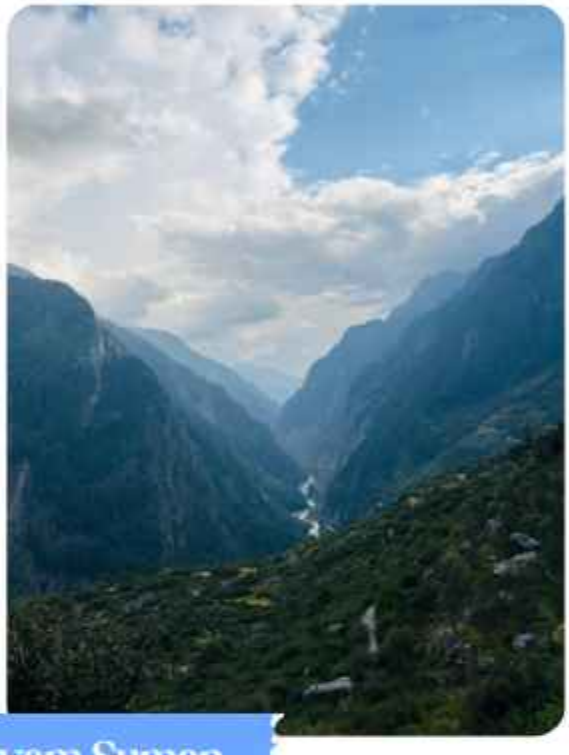

Shivam Suman
Business Analyst, IB

Karishma Rawat
Intern, IB

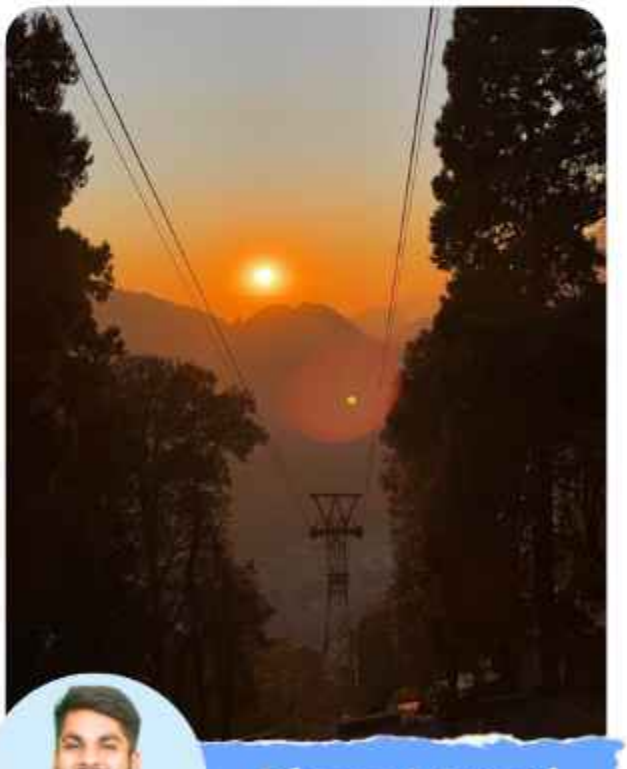

Dhruv Agrawal
Research Analyst, Research

CREATIVE CORNER

Radhikha Shrivastav
Executive, Compliance

Khanak Kakani
Intern, IB

कल एक लड़की से मिली
पगली-सी...
बात-बात पर चिंता करती,
'कल क्या होगा' सोच के डरती
किसी की भी बातों को दिल पे ले लेती,
सोच-सोच के खुद को ही उदास कर लेती

भोली-सी...
दो प्यारे बोल में ही पिघल जाती
दुनिया की वंचनाओं को नहीं जानती

गुमसुम-सी...
कुछ कहने से घबराती
मन की बातों को छुपाती
जब हँसती तो खुशियाँ बरसाती
नित नए सपने सजाती
आशाओं के दीप जलाती...

सयानी-सी...
मोटी-मोटी पुस्तकों में अपनी रातें सजाती
कलम से अपनी कहानी लिखती
तूलिका उठा कर अपने सपनों में रंग भरती,
दर्पण के सामने घंटों बिताती,
अपने प्रतिबिंब में, ना जाने किसे ढूँढती

चंचल-सी,
आँख मिचौली सी खेलती,
कभी छुपती, कभी मिल जाती,
पास जा के देखा तो पाया कि
वो तो मैं ही थी!

Harshita Sharma
Sr. Graphic Designer

Taniya Kakani
Intern, IB

JOSH

Editorial Team

swastika
INVEST HERE ▸ GET THERE

Swastika Investmart Ltd.

Corporate Office. : 48 Jaora Compound, M.Y.H. Road, Indore - 452001

080690 49876 hello@swastika.co.in www.swastika.co.in